



# साहित्योत्सव Festival of Letters 2023

11-16 मार्च 2023

नई दिल्ली

दैनिक समाचार बुलेटिन

शनिवार, 11 मार्च 2023

## साहित्योत्सव... अतीत से अब तक

साहित्योत्सव साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित वार्षिक साहित्यिक महोत्सव है। प्रथम साहित्योत्सव वर्ष 1985 में आयोजित किया गया था तथा वर्ष 2023 में, 39 वें साहित्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 1985 में अकादेमी के अध्यक्ष वी. के. गोकाक थे। उस वर्ष पुरस्कृत होने वाले प्रमुख साहित्यकार थे - सुनील गंगोपाध्याय, दीनूभाई पंत, निर्मल वर्मा, अजीत कौर और बलराज कोमल। वर्ष 1988 में साहित्योत्सव में अकादेमी प्रदर्शनी के अतिरिक्त पुरस्कार अर्पण समारोह, लेखक सम्मेलन और विशेष वार्षिक व्याख्यान आयोजित किए गए थे। चार दिवसीय संगोष्ठी का विषय था - बढ़ते तकनीकी युग में लेखक एवं उसके पाठक, जिसका उद्घाटन पी.एन. हक्सर ने किया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुल्कराज आनंद ने की थी।

कुछ प्रमुख वक्ता थे- यू.आर. अनंतमूर्ति, हिरण्यमय कारलेकर, अशोक आर. केलकर, केदारनाथ सिंह, शुभं मुखोपाध्याय, शहरयार आदि।

1989 में, सप्ताह भर के साहित्योत्सव में अकादेमी पुरस्कार वितरण समारोह, 'स्वतंत्रता और लेखक' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, लेखक सम्मेलन, संवत्सर व्याख्यान आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि हरभजन सिंह थे। संवत्सर व्याख्यान के.आर. श्रीनिवास अयंगर द्वारा 'साहित्यकार और वैश्विक विनाश की घड़ी' विषय पर दिया गया था। चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन एस. नूरुल हसन द्वारा किया गया था और कुछ प्रमुख वक्ता थे- मुल्कराज आनंद, शिव के. कुमार, तकषी शिवशंकर पिल्लै, विष्णु प्रभाकर, अजीत कौर, एल.

एम. सिंघवी, निखिल चक्रवर्ती, कुलदीप नैयर, के.एस. दुग्गल, ग्रांट डी. मैकडोनेल, एम.जे. अकबर, कमलेश्वर, एन.वी.के. मूर्ति, गंगाधर गाडगिल, डेनियल सालकनवे, कपिला वात्स्यायन, सुकांत चौधुरी, वी.एस. नरवणे, निदा फाजली, जी. आर. संतोष, लीलाधर जगूड़ी आदि। 38 वर्षों की यात्रा करते हुए, इस वर्ष 2023 के साहित्योत्सव में आयोजित कार्यक्रमों की संख्या बढ़कर लगभग 40 हो गई है तथा इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले लेखकों, विद्वानों की संख्या 400 से अधिक है। विगत 38 वर्षों में साहित्योत्सव का यह क्रमिक विकास जो अपनी व्यापकता में बड़े अंतरराष्ट्रीय उत्सवों की बराबरी करता है संपूर्ण भारत के विभिन्न लेखकों के सक्रिय समर्थन और प्रोत्साहन द्वारा ही संभव हो पाया है।

## संस्कृति राज्य मंत्री, अर्जुन राम मेघवाल करेंगे प्रदर्शनी का उद्घाटन

## अकादेमी प्रदर्शनी 2022 के उद्घाटन से होगा साहित्योत्सव का शुभारंभ

अकादेमी प्रदर्शनी 2022 का उद्घाटन  
पूर्वाह्न 10.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2022 के विजेताओं  
का मीडिया से संवाद  
पूर्वाह्न 11.30 बजे, वाल्मीकि सभागार

युवा साहित्यी : युवा भारत का उदय  
अपराह्न 2.30 बजे, वाल्मीकि सभागार

बहुभाषी कवि सम्मेलन  
पूर्वाह्न 11.00 बजे, व्यास सभागार

अस्मिता  
अपराह्न 2.30 बजे, व्यास सभागार

पूर्वोत्तरी (उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिणी लेखक सम्मेलन)  
पूर्वाह्न 11.30 बजे, तिरुवल्लुवर सभागार

बहुभाषी कहानी पाठ  
अपराह्न 2.30 बजे, तिरुवल्लुवर सभागार

साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2022 अर्पण समारोह  
सायं 5.30 बजे, कमानी सभागार

आज के कार्यक्रम

11 मार्च 2023 को प्रातः 10 बजे, माननीय संस्कृति राज्य मंत्री, श्री अर्जुन राम मेघवाल जी रवींद्र भवन परिसर में अकादेमी प्रदर्शनी 2022 का उद्घाटन करेंगे। अकादेमी प्रदर्शनी का उद्घाटन औपचारिक रूप से प्रत्येक वर्ष साहित्योत्सव की शुरुआत के रूप में किया जाता है। अकादेमी प्रदर्शनी में चित्रों तथा लेखकों के विवरणों के माध्यम से, विगत कैलेंडर वर्ष में अकादेमी की उपलब्धियों तथा गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाता है, जिसमें पुरस्कारों तथा महत्तर सदस्यताओं, आयोजित कार्यक्रमों, प्रकाशित पुस्तकों तथा पुस्तक प्रदर्शनियों को शामिल किया जाता है।

श्री अर्जुन राम मेघवाल भारत सरकार के संस्कृति राज्य मंत्री हैं। श्री मेघवाल ने पूर्व में मुख्य सचेतक एवं संसदीय कार्य मंत्रालय तथा भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया है। राजनीति में आने से पहले आप राजस्थान कैडर के 1999 बैच के आईएएस अधिकारी



रह चुके हैं। आपकी साहित्य और लोककलाओं के प्रति विशेष आस्था है। आपकी लिखित दो कृतियाँ प्रकाशित हैं। आप कई सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं, जैसे आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करके सहयोग करना, कमजोर वर्ग के लिए सामूहिक विवाह कार्यक्रमों, समाज में खुशियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना, आदि। आपको 2013 में सर्वश्रेष्ठ सांसद पुरस्कार से अलंकृत किया गया था।



# साहित्य अकादेमी के सबसे बड़े साहित्योत्सव पर एक नज़र



साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला साहित्योत्सव इस बार अपने सबसे बड़े रूप में दिल्ली एवं एनसीआर वासियों के लिए प्रस्तुत हो रहा है। छह दिवसीय इस उत्सव में, इस बार 400 से ज़्यादा रचनाकार, 40 से अधिक विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 60 भाषाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लेंगे। साहित्योत्सव की शुरुआत अकादेमी की वर्षभर की प्रमुख गतिविधियों की प्रदर्शनी से होगा, जिसका उद्घाटन माननीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल करेंगे। साहित्योत्सव का मुख्य आकर्षण साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2022 वितरण समारोह 11 मार्च को कमानी सभागार में सायं 5.30 बजे शुरू होगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि लब्धप्रतिष्ठ अंग्रेज़ी लेखक एवं विद्वान उपमन्यु चटर्जी होंगे। प्रतिष्ठित संवत्सर व्याख्यान भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा द्वारा दिया जाएगा। अन्य कार्यक्रमों में 7 लेखक सम्मेलन, 15 रचना-पाठ कार्यक्रम, 13 परिचर्चाओं के अलावा नारी चेतना, अस्मिता, कथासंधि, लेखक से भेंट और व्यक्ति और कृति जैसे नए कार्यक्रम भी जोड़े गए हैं। बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम के साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी उत्सव का मुख्य आकर्षण होंगी। 9 मार्च को सायं 4 बजे हुई प्रेस कांफ्रेंस में यह

जानकारी देते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराम ने बताया कि इस वर्ष साहित्योत्सव भारतीय साहित्य और संस्कृति की एकता विषय पर केंद्रित है। पूर्व के वर्षों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम जैसे पूर्वोत्तरी, आदिवासी सम्मेलन, युवा साहिती, आओ कहानी बुनें, एलजीबीटीक्यू लेखक सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी के अतिरिक्त इस बार कुछ नए विषय भी जोड़े गए हैं, जैसे जी 20 को केंद्र में रखते हुए 'एक पृथ्वी. एक परिवार. एक भविष्य' विषयक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, शिक्षा और सृजनात्मकता, वैचारिकता और साहित्य एवं साहित्य और महिला सशक्तीकरण विषय पर विशेष परिचर्चाएँ रखी गई हैं। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय 'महाकाव्यों की स्मृतियाँ, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र निर्माण' रहेगा। हिंदी के प्रख्यात कवि, आलोचक एवं साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य विश्वनाथ प्रसाद तिवारी उद्घाटन वक्तव्य और प्रख्यात सामाजिक सिद्धांतकार एवं आलोचक आशीष नंदी बीज वक्तव्य देंगे। मातृभाषा के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए मातृभाषा के महत्त्व पर, भारत में आदिवासी समुदायों के महाकाव्य, संस्कृत भाषा एवं भारतीय संस्कृति आदि पर भी परिचर्चा रखी गई

है। कुछ अन्य विशेष कार्यक्रम जैसे व्यक्ति एवं कृति में प्रख्यात समाज सुधारक एवं नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी तथा प्रख्यात उद्योगपति एवं लेखक सुनीलकांत मुंजाल, कथा संधि कार्यक्रम में प्रख्यात उर्दू लेखक अब्दुस समद, लेखक से भेंट कार्यक्रम में प्रख्यात मैथिली एवं हिंदी लेखिका उषाकिरण खान उपस्थित रहेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत ब्रज की होली, कव्वाली और जयंत कस्तुआर की प्रस्तुति भी होगी। साहित्योत्सव में कज़ाकिस्तान से पधारे लेखक भी उपस्थित रहेंगे और इस साहित्योत्सव की पूरी प्रक्रिया को नज़दीक से देखेंगे। इंडो-कज़ाक लेखक सम्मेलन और विदेशों में भारतीय साहित्य पर भी बातचीत होगी। प्रतिदिन साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी और आकर्षक छूट पर पुस्तकें बिक्री के लिए भी उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में पधार रहे कुछ प्रख्यात साहित्यकार, लेखक, नाटककार, फिल्मकार, प्रकाशक, मीडियाकर्मी हैं - सुरजीत पातर, लीलाधर जगूड़ी, आशीष नंदी, शीन काफ़ निज़ाम, अभिराज राजेंद्र मिश्र, वाई.डी. थोंगछी, अर्जुनदेव चारण, मोहन आगाशे, केतन मेहता, दयाप्रकाश सिन्हा, सोनल मानसिंह, जतिन दास, मृणाल मिरी, अतुल तिवारी, वेद प्रताप वैदिक, आलोक मेहता, अशोक घोष आदि।



11-16 मार्च 2023, नई दिल्ली

## साहित्य अकादेमी 2022 के पुरस्कार विजेता

असमिया



मनोज कुमार गोस्वामी प्रख्यात असमिया लेखक हैं। आपका जन्म 24 जुलाई 1962 को असम के नगाँव में हुआ।

*भूल सत्य* कहानी-संग्रह है, जो आख्यान कला में एक नया आयाम जोड़ता है। उत्कृष्ट चरित्र चित्रण, जीवंत कथा तकनीक तथा अद्भुत कथानक के निर्माण ने कहानियों को अनूठा बना दिया है। निपुण कहानीकार, गोस्वामी असम के उस मध्य वर्ग के जीवन का जीवंत चित्र प्रस्तुत करते हैं, जो बदलते सामाजिक परिवेश द्वारा उपस्थित संकटों का सामना करना चाहता है।

बाङ्ला



तपन बंद्योपाध्याय प्रतिष्ठित बाङ्ला लेखक, कवि तथा अनुवादक हैं। आपका जन्म 18 जून 1947 को अविभाजित बंगाल के सातखीरा ज़िले में हुआ।

*बीरवल* ऐतिहासिक उपन्यास है, जो मुगल सम्राट अकबर के मित्र, दार्शनिक तथा मार्गदर्शक बीरवल के जीवन पर आधारित है। उपन्यास में चरित्र चित्रण उन व्यंग्यात्मक पात्रों से अलग है जो पाठकों को कॉमिक पुस्तकों में मिलते हैं, तथा यह (उपन्यास) मुगल काल के इतिहास में प्रचलित बीरवल के बारे में मौजूदा धारणा को परिवर्तित करता है।

बोडो



रश्मि चौधुरी प्रतिष्ठित बर' कवयित्री और लेखिका हैं। आपका जन्म 1 नवंबर 1974 को असम के बक्सा के आलगजार (कटहवारी) में हुआ।

*सानस्रिनी मदिरा* कविता-संग्रह है, जिसमें कवयित्री घृणा तथा पीड़ा से मुक्त दुनिया की कल्पना करती है, एक ऐसी दुनिया जो प्रेम और कृतज्ञता से शासित है। कवयित्री ने लेखन की उत्तर-आधुनिक शैली का उपयोग किया है तथा महिलाओं के अधिकारों को सुदृढ़ता के साथ सुंदर तरीके से समाहित किया है।

डोगरी



वीणा गुप्ता प्रख्यात डोगरी लेखक, भाषाविद् तथा नाटककार हैं। आपका जन्म 31 अक्टूबर 1950 को जम्मू में हुआ।

*छे रूपक* उत्कृष्ट नाटक- संग्रह है, जो डोगरी भाषा, डोगरी के प्रख्यात लेखकों तथा डोगरी के महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक तत्त्वों पर प्रकाश डालता है। आपके गहन शोध में निहित तथा डोगरी साहित्य और संस्कृति में उपलब्ध नाटक पाठकों की किसी भी पीढ़ी द्वारा आसानी से समझे जा सकते हैं तथा समकालीन डोगरी सांस्कृतिक परिवेश के बारे में आपकी गहन सोच इसका प्रमाण है।

अंग्रेज़ी



अनुराधा रॉय अंग्रेज़ी की प्रतिष्ठित लेखिका हैं। आपका जन्म 13 जुलाई 1967 को कोलकाता में हुआ।

*ऑल द लाइव्स वी नेवर लिख* सम्मोहक उपन्यास है, जिसमें एक कहानी को दूसरी कहानी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। रॉय सुबोधगम्य शैली में गद्य लिखती हैं, जो पढ़ने में आनंद प्रदान करता है। यह उपन्यास शैली के साथ-साथ लेखिका की दुर्लभ विश्वदृष्टि पर भी उनकी विरल पकड़ को प्रदर्शित करता है। इसके साथ ही उन पात्रों की आंतरिक दुनिया को दर्शाती हैं, जो अनिश्चितताओं और अव्यवस्थाओं से ग्रस्त दुनिया में भयावह जीवन जीते हैं।

गुजराती



गुलाममोहम्मद शेख गुजराती के प्रतिष्ठित लेखक, कवि, चित्रकार तथा शिक्षाविद् हैं। आपका जन्म 16 फरवरी 1937 को सुरेंद्रनगर, सौराष्ट्र, गुजरात में हुआ।

*धेर जतां* आत्मकथात्मक निबंधों का संग्रह है, जो गुजरात के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोगों के जीवन को अविस्मरणीय तरीके से प्रस्तुत करता है। निबंध आपकी आंतरिक रचनात्मकता के दोनों पहलुओं - चित्रकला एवं लेखन में निहित हैं।



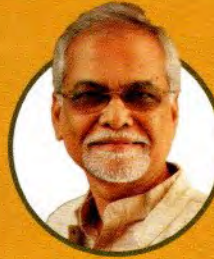
हिंदी



वट्टी नारायण हिंदी तथा अंग्रेज़ी के प्रख्यात कवि एवं पत्रकार हैं। आपका जन्म 5 अक्टूबर 1965 को जानईडीह, आरा, बिहार में हुआ।

*तुमड़ी के शब्द* कविता-संग्रह है। कविताओं में लोक, परंपरा, इतिहास तथा समकालीनता का सुंदर मिश्रण है; जिसके कारण कविता की भाषा और लय असाधारण रूप से समृद्ध हुई है, जिससे अर्थ और गंभीरता अधिक परिलक्षित होती है। इस कृति की कविताएँ समकालीन मानव सभ्यता का अद्भुत प्रक्रियात्मक क्रिटीक तैयार करती हैं और यह संदेश देती हैं कि कविता-लेखन बड़े उत्तरदायित्व का कार्य है।

कन्नड



मुडनाकुड्डु चिन्नास्वामी प्रख्यात कन्नड लेखक, कवि, नाटककार तथा अनुवादक हैं। आपका जन्म 22 सितंबर 1954 को कर्नाटक के चामराजनगर के मुडनाकुड्डु में हुआ।

*वहुत्वदा भारत मनु बौद्ध तातविकते* लेख-संग्रह है, यह कृति समानता, जातिविहीन और समावेशी समाज के सपने को जन्म देती है। कन्नड में लिखित भारतीय लेख - साहित्य को महत्त्वपूर्ण योगदान है।

कश्मीरी



फ़ारूक फयाज़ प्रख्यात कश्मीरी तथा अंग्रेज़ी लेखक, पत्रकार, इतिहासकार और विद्वान हैं। आपका जन्म 16 अप्रैल 1954 को श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में हुआ।

*जायल डब*, महत्त्वपूर्ण साहित्यिक समालोचनात्मक कृति है, जो प्रतिष्ठित कश्मीरी लेखकों के प्रमुख साहित्यिक योगदान का बोधगम्य मूल्यांकन प्रस्तुत करती है। यह विगत सदी के दौरान कश्मीरी साहित्य के बदलते परिदृश्य के प्रति वास्तव में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। पुरस्कृत कृति विविध आलोचनात्मक सिद्धांतों के परिप्रेक्ष्य में साहित्यिक सौंदर्यशास्त्र की सामग्री तथा अन्य पहलुओं को उजागर करती है।

कोंकणी



माया अनिल खरंगटे प्रख्यात कोंकणी लेखिका तथा अनुवादिका हैं। आपका जन्म 20 जून 1956 को गोवा के असोल्डे में हुआ।

*अमृतवेळ* स्वतंत्रता से पूर्व के गोवा पर आधारित उपन्यास है। यह जाति और लिंग भेदभाव के प्रभुत्व वाले सामाजिक संसार को दर्शाता है। इस कृति में बेहतर समय के लिए एक महिला की अंतहीन तड़प को नाटकीय रूप में पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। उपन्यास में कोंकणी भाषा की संभावनाओं को तथा इसकी गहन बारीकियों को भी प्रस्तुत किया गया है।

मैथिली



अजित आजाद प्रख्यात मैथिली कवि, लेखक, पत्रकार और कलाकार हैं। आपका जन्म 6 जून 1969 को हटनी, मधुबनी, बिहार में हुआ।

*पेन-ड्राइवमे पृथ्वी*, 185 कविताओं का संग्रह है, जो मानव-जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर करता है। मैथिली संस्कृति में गहराई से डूबी इन कविताओं में अनुभवों की एक विस्तृत दुनिया समाहित है। कविताएँ यह सिद्ध करती हैं कि किस प्रकार कवि का विश्व दृष्टिकोण कविता के ताने-बाने के माध्यम से आधुनिक विचारों को खूबसूरती से दर्शाता है।

मलयाळम्



एम. थॉमस मैथ्यू प्रख्यात मलयाळम् लेखक, आलोचक और अनुवादक हैं। आपका जन्म 27 सितंबर 1940 को केरल के पथनमथिड्डा में हुआ।

*आशादे सीतायानम* मलयाळम् कवि कुमारन् आशान की कालजयी काव्य कृति चिंताविष्टयाया सीता का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करती है। पुरस्कृत कृति सीता के चरित्र एवं मूल्यांकन तथा उनके आत्म जीवन की सुंदर तरीके से नवीन व्याख्या करती है। यह कृति पौराणिक विषय को आकर्षक एवं नवीन दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करती है।

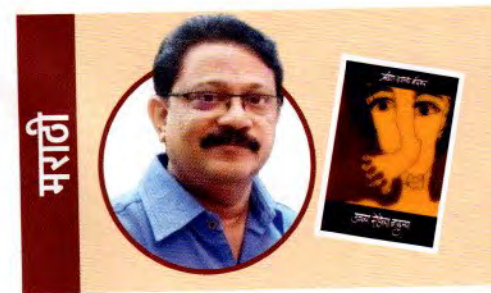




कोइजम शांतिवाला प्रतिष्ठित मणिपुरी लेखिका और कवियित्री हैं। आपका जन्म 2 मार्च 1960 को खुरई लामलॉंग बाज़ार, इंफाल, मणिपुर में हुआ।  
लेइरोन्नुंग मणिपुरी पहचान पर आधारित कविता-संग्रह है। यह कृति स्त्री-संसार की पड़ताल करती है। मणिपुरी स्त्रियों के सामाजिक मुद्दों को गहराई के साथ खूबसूरती से इस कृति में प्रस्तुत किया गया है।



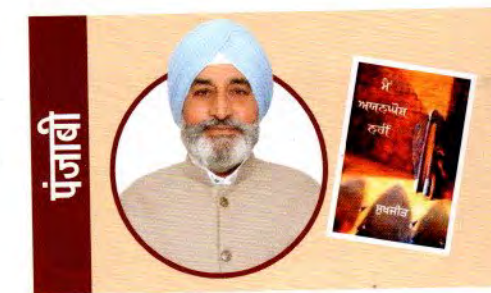
के.वी. नेपाली प्रख्यात नेपाली लेखक, नाटककार, कवि तथा अनुवादक हैं। आपका जन्म 16 नवंबर 1939 को असम के डिगबोई में हुआ।  
साइनो चार नाटकों का संग्रह है। नाटकों में देशभक्ति पर आधारित पौराणिक कथाओं, इतिहास तथा भारतीय संस्कृति का उत्कृष्ट सम्मिश्रण प्रस्तुत किया गया है। इसके साथ ही सामाजिक-सांस्कृतिक घटनाओं पर भी सावधानीपूर्वक विचार प्रकट किए गए हैं, जो मानवता को उसके मूल सहित संरक्षित रखते हैं। नाटक साहित्यिक और सांस्कृतिक संसार की विशिष्टता का प्रतिनिधित्व करते हैं।



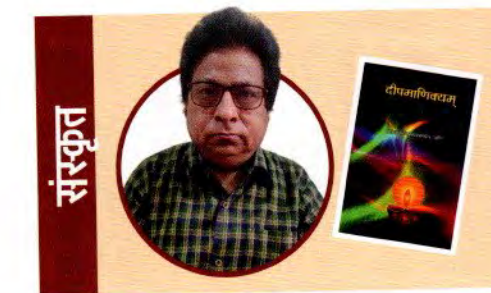
प्रवीण दशरथ बंदेकर प्रतिष्ठित मराठी लेखक, कवि तथा समालोचक हैं। आपका जन्म 20 मार्च 1966 को वेंगुर्ला, सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र में हुआ।  
उजव्या सोंडेच्या बाहुल्या प्रयोगात्मक उपन्यास है, जो समकालीन सांस्कृतिक संकट को नाटकीय रूप में प्रस्तुत करता है। उपन्यास में काल्पनिक दुनिया में रहने वाले बुद्धिजीवियों की पुरा-स्मृतियों तथा पहचान के लोप को उत्कृष्टता के साथ उकेरा गया है। कोंकणी तथा गोवा की बोलियों का प्रासंगिक प्रयोग कथा को और अधिक समृद्ध करता है।



गायत्रीवाला पंडा प्रख्यात ओड़िआ कवियित्री, लेखिका, समालोचक, संपादक तथा पत्रकार हैं। आपका जन्म 17 अप्रैल 1977 को जगतसिंहपुर, ओड़िशा में हुआ।  
दयानदी कविता-संग्रह है, जो मौर्य साम्राज्य के सम्राट अशोक तथा कलिंग राज्य के बीच लड़े गए ऐतिहासिक कलिंग युद्ध पर आधारित है। कविताओं में तीव्रता और गहरी संवेदनशीलता का अपरंपरागत मिश्रण है। यह कृति में दया केवल एक नदी नहीं है, बल्कि यह तो धमनियों में बहने वाली वह ऊर्जा है जो मानव मूल्यों को जीवित रखती है।



सुखजीत प्रख्यात पंजाबी लेखक तथा नाटककार हैं। आपका जन्म 4 जनवरी 1961 को धुरकोट रनसिंह, मोगा, पंजाब में हुआ।  
मैं अयनघोष नहीं कहानी - संग्रह है। इस कृति की कहानियाँ नैतिक दुविधाओं का सामना करने वाले पात्रों के आंतरिक जीवन की पड़ताल करती हैं। वे अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने वाले मनुष्य की संघर्षशीलता का उत्सव मनाती हैं। जीवन की साधारण कहानियों को असाधारण रूप से पुनः प्रस्तुत करने में मिथक और वास्तविकता का सम्मिश्रण इस कृति को उल्लेखनीय बनाता है।



जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि' प्रख्यात संस्कृत विद्वान और लेखक हैं। आपका जन्म 2 अक्टूबर 1962 को जौनपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ।  
दीपमाणिकव्यम् में दस सर्ग शामिल हैं, जो सरल शैली में सरस्वती नदी की कहानी बताते हैं। लेखक की निपुणता और लय, संदर्भों का प्रासंगिक प्रयोग, भाषा पर अधिकार और विनोदपूर्ण प्रस्तुतीकरण कृति को नई ऊँचाइयों पर ले जाते हैं। यह कृति सामाजिक दुविधाओं और विषयों के प्रति मूढ़ताओं को तीखे उपहास के साथ पाठकों के समक्ष रखती है।



राजस्थानी



कमल रंगा प्रख्यात राजस्थानी कवि, नाटककार, लेखक तथा अनुवादक हैं। आपका जन्म 5 जुलाई 1956 को बीकानेर, राजस्थान में हुआ।

अलेखूँ अंबा राजस्थानी नाटक है, जो महाभारत की महिला पात्र अंबा की नई व्याख्या प्रस्तुत करता है। नाटक की जटिल संरचना तथा इसके संवाद समकालीन सरोकारों को प्रदर्शित करते हैं। यह कृति पौराणिक पाठ को, नाटकीयता की पृष्ठभूमि में, नायिका अंबा की त्रासदी को पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करती है।

संताली



जगन्नाथ सोरेन (काजली सोरेन) प्रख्यात संताली लेखक और कवि हैं। आपका जन्म 19 अगस्त 1950 को पश्चिम बंगाल के मधुपुर, खटरा (बांकुरा) में हुआ।

सावोरनाका वालीरे सोना पाँजाय, कविता-संग्रह है, जो मनुष्यों के सुख और दुख तथा उनके सामाजिक संसार के विविध पहलुओं को दर्शाता है। प्रासंगिक शब्द-चयन और कल्पना, जो कवि के भीतर गहराई से निहित है, कविताओं को और अधिक समृद्ध करती है, तथा अनुनादी प्रतीक विरल गहनता और जीवन शक्ति प्राप्त करने वाली अर्थध्वनियों को समृद्ध करते हैं।

सिंधी



कन्हैयालाल लेखवाणी प्रख्यात सिंधी लेखक और भाषाविद् हैं। आपका जन्म 1 अप्रैल 1942 को हैदराबाद, सिंध (अब पाकिस्तान में) में हुआ।

सिंधी साहित्य जो मुख्तसर इतिहास सिंधी साहित्य का इतिहास है, जो सिंधी भाषा और साहित्य की उत्पत्ति और विकास से लेकर 2015 तक के कई पहलुओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है। गहन शोध और अकादमिक अवलोकनों के आधार पर लिखित यह ग्रंथ, साहित्यिक इतिहासलेखन को एक मूल्यवान योगदान है।

तमिळ



एम. राजेंद्रन तमिळ और अंग्रेज़ी के प्रख्यात लेखक हैं। आपका जन्म 6 मई 1959 को वडगराई, मद्रास, तमिलनाडु में हुआ।

काला पानी 73 स्वतंत्रता सेनानियों के अभूतपूर्व साहस और भक्ति की दशनि वाला उपन्यास है, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लड़ाई लड़ी, तथा बाद में जिन्हें पिनांग और सुमात्रा भेज दिया गया। उपन्यासकार ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उस गौरवमयी घटना को पुनः सृजित किया है जिसे वह ध्यानाकर्षण प्राप्त नहीं हुआ था जिसकी वह हकदार थी।

तेलुगु



मधुरांतकम नरेंद्र तेलुगु और अंग्रेज़ी भाषाओं के प्रख्यात लेखक हैं। आपका जन्म 16 जुलाई 1957 को आंध्र प्रदेश के तिरुपति ज़िले के रमणैयागरीपल्ले में हुआ।

मनोधर्मपरागम उपन्यास देवदासियों की दो पीढ़ियों के जीवन को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। लेखक की सामाजिक इतिहास के प्रति वास्तविक मानवीय अंतर्दृष्टि, गहरी सामाजिक चिंता तथा कई सामाजिक मुद्दों के समुच्चय की कला उपन्यास को उल्लेखनीय बनाते हैं।

उर्दू



अनीस अशफ़ाक़ प्रख्यात उर्दू कवि, लेखक, आलोचक और अनुवादक हैं। आपका जन्म 30 जून 1950 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में हुआ।

ख़्वाब सराव मिर्जा हादी रुसवा कृत उर्दू उपन्यास उमराव जान अदा से प्रेरित उत्कृष्ट काल्पनिक उपन्यास है। भाषा के प्रयोग की असाधारण समझ, उत्कृष्ट गद्य तथा सटीक संवादों के कारण इस कृति की शैली अत्यंत उत्कृष्ट बन पड़ी है। उत्कृष्ट कथानक और लखनऊ का जीवंत स्मरण इस उपन्यास को पठनीय बनाता है।



## आज के अन्य कार्यक्रम

### युवा साहिती : युवा भारत का उदय

युवाओं को साहित्य में उचित प्रतिनिधित्व दिलाने के उद्देश्य से शुरू किए गए कार्यक्रम युवा साहिती का आयोजन वाल्मीकि सभागार में किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र अपराह्न 2.30 बजे से होगा और उद्घाटन वक्तव्य प्रख्यात पंजाबी कवि सुरजीत पातर देंगे तथा अध्यक्षीय वक्तव्य लब्धप्रतिष्ठ कन्नड साहित्यकार चंद्रशेखर कंबार प्रस्तुत करेंगे, स्वागत वक्तव्य के. श्रीनिवासराम, सचिव, साहित्य अकादेमी द्वारा दिया जाएगा।

कविता-पाठ के प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात राजस्थानी साहित्यकार अर्जुन देव चारण करेंगे तथा अदिति बसुरॉय (बाङ्ला), निकिता पारिक (अंग्रेज़ी), भार्गव ठाकर (गुजराती), संदीप कुमार तिवारी (हिंदी), प्रवीण कवि (ओड़िआ), हर मन (पंजाबी), विनीता शर्मा (राजस्थानी), अनिल द्यानी (तेलुगु) अपनी-अपनी कविताएँ प्रस्तुत करेंगे।

युवा साहिती  
युवा भारत का उदय  
Yuva Sahiti  
The Rise of Young India  
12 मार्च 2023

### बहुभाषी कवि सम्मिलन

व्यास सभागार में आयोजित इस सम्मिलन का प्रथम सत्र पूर्वाह्न 11.00 बजे प्रारंभ होगा, जिसमें भुचुंग डी. सोनम (अंग्रेज़ी), मुकुल कुमार (अंग्रेज़ी), अग्निशेखर (हिंदी), जयश्री कंबार (कन्नड), बी. हरिदास (मलयाळम) ए. कृष्णराव (तेलुगु) अपनी-अपनी भाषाओं में कविताएँ अनुवाद सहित प्रस्तुत करेंगे। द्वितीय सत्र अपराह्न 12.15 बजे से,

मृत्युंजय सिंह की अध्यक्षता में आरंभ होगा। सरबजीत गरचा (अंग्रेज़ी), प्रवाल कुमार बसु (बाङ्ला) जयकुमार मंकुथिराई (तमिळ), राकेश शर्मा (हिंदी), मिसना चानु (मणिपुरी) और मो. उमर फ़रहत (उर्दू) अपनी कविताएँ प्रस्तुत करेंगे।

बहुभाषी कवि सम्मिलन  
Multilingual Poets' Meet  
11 मार्च 2023

### अस्मिता

आज का एक अन्य कार्यक्रम अस्मिता व्यास सभागार में अपराह्न 2.30 बजे से के. श्रीलता की अध्यक्षता में संपन्न होगा। इसमें अलका त्यागी,

अनामिका 'अनु', महुआ सेन, मुग्धा सिन्हा, रीता रानी नाईक, और उषा अकेला अपनी रचनाएँ सुनाएँगी।

अस्मिता  
Asmita  
11 मार्च 2023

### पूर्वोत्तरी

तिरुवल्लुवर सभागार में आयोज्य पूर्वोत्तरी (उत्तर-पूर्वी एवं दक्षिणी लेखक सम्मिलन) का प्रथम सत्र पूर्वाह्न 11.30 बजे चाई.डी. थोंगळी की अध्यक्षता में होगा और गीतालि बोरा (असमिया), जयश्री बर' (बोडो), एन. रंजना देवी (मणिपुरी), मामिडि हरिकृष्ण (तेलुगु) अपनी-अपनी रचनाएँ अनुवाद सहित

प्रस्तुत करेंगे। कविता-पाठ के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता के. जयकुमार करेंगे। ज्योतिरेखा हाज़रिका (असमिया), अनघा जे. कोलथ (मलयाळम), रीता थोकेचम (मणिपुरी), सी. नागन्ना (कन्नड), मालन (तमिळ), वी. राम मनोहर राव (तेलुगु) अपनी कविताएँ अनुवाद सहित प्रस्तुत करेंगे।

पूर्वोत्तरी  
North-Eastern and Southern Writers' Meet  
11 मार्च 2023

### बहुभाषी कहानी - पाठ

तिरुवल्लुवर सभागार में अपराह्न 2.30 बजे आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात हिंदी लेखिका ममता कालिया करेंगी। कार्यक्रम में रामकुमार मुखोपाध्याय (बाङ्ला), शुभा शर्मा (अंग्रेज़ी), अखिल प्रताप (हिंदी),

गौरी शंकर रैना (कश्मीरी), इति सामंत (ओड़िआ) और वेमपल्ली गंगाधर (तेलुगु) में अपनी-अपनी रचनाएँ अनुवाद सहित प्रस्तुत करेंगे।

बहुभाषी कहानीकार सम्मिलन  
Multilingual Short Story Writers' Meet  
11 मार्च 2023



## कार्यक्रमों की सूची

दिनांक	समय	कार्यक्रम	स्थान
12 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	लेखक सम्मिलन	वाल्मीकि सभागार
12 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : वैचारिकता और साहित्य	वाल्मीकि सभागार
12 मार्च 2023	सायं 4.30 बजे	व्यक्ति और कृति : सुनील कांत मुंजाल, विख्यात उद्योगपति एवं लेखक के साथ	वाल्मीकि सभागार
12 मार्च 2023	सायं 6.00 बजे	संवत्सर व्याख्यान : न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश द्वारा	वाल्मीकि सभागार
12 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	युवा साहिती : युवा भारत का उदय (जारी...)	व्यास सभागार
12 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	पूर्वोत्तरी (उत्तर-पूर्वी एवं उत्तरी लेखक सम्मिलन)	तिरुवल्लुवर सभागार
13 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	आमने-सामने : पुरस्कृत लेखकों/विद्वानों के साथ प्रख्यात लेखकों का संवाद	वाल्मीकि सभागार
13 मार्च 2023	सायं 5.00 बजे	भाषा सम्मान अर्पण	वाल्मीकि सभागार
13 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	परिचर्चा : अनुवाद कला : सांस्कृतिक संदर्भ में चुनौतियाँ	व्यास सभागार
13 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : शब्द-संसार और मेरी कला	व्यास सभागार
13 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	परिचर्चा : शिक्षा और सृजनात्मकता	तिरुवल्लुवर सभागार
13 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	आदिवासी लेखक सम्मिलन	तिरुवल्लुवर सभागार
13 मार्च 2023	सायं 6.00 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम : ब्रज की होली, श्यामा ब्रज लोककला मंच द्वारा	मेघदूत मुक्ताकाशी सभागार-1
14 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	अखिल भारतीय कवि सम्मिलन : एक पृथ्वी . एक परिवार . एक भविष्य	वाल्मीकि सभागार
14 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	परिचर्चा : नाट्य लेखन	व्यास सभागार
14 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	एल.जी.बी.टी.क्यू. लेखक सम्मिलन	व्यास सभागार
14 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	आदिवासी लेखक सम्मिलन (जारी...)	तिरुवल्लुवर सभागार
14 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	नारी चेतना	तिरुवल्लुवर सभागार
14 मार्च 2023	सायं 5.00 बजे	लेखक से भेंट : उपाकिरण खान, प्रख्यात मैथिली एवं हिंदी लेखिका के साथ	तिरुवल्लुवर सभागार
14 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	राष्ट्रीय संगोष्ठी : महाकाव्यों की स्मृतियाँ, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन तथा राष्ट्र निर्माण	साहित्य अकादेमी सभागार, प्रथम तल
14 मार्च 2023	सायं 6.00 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम : कृवाली, निज़ामी ब्रदर्स द्वारा	मेघदूत मुक्ताकाशी सभागार-1
15 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	परिचर्चा : मीडिया, न्यू मीडिया और साहित्य	वाल्मीकि सभागार
15 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	पूर्वोत्तरी (उत्तर-पूर्वी एवं पश्चिमी लेखक सम्मिलन)	वाल्मीकि सभागार
15 मार्च 2023	सायं 5.00 बजे	कथासंधि : अब्दुस समद, प्रख्यात उर्दू कथाकार के साथ	वाल्मीकि सभागार
15 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	एल.जी.बी.टी.क्यू. लेखक सम्मिलन (जारी...)	व्यास सभागार
15 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : डिजिटल युग में प्रकाशन	व्यास सभागार
15 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	परिचर्चा : सिनेमा और साहित्य	तिरुवल्लुवर सभागार
15 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : भारत में आदिवासी समुदायों के महाकाव्य	तिरुवल्लुवर सभागार
15 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	राष्ट्रीय संगोष्ठी : महाकाव्यों की स्मृतियाँ, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन तथा राष्ट्र निर्माण (जारी...)	साहित्य अकादेमी सभागार प्रथम तल
15 मार्च 2023	सायं 5.00 बजे	इंडो-कज़ाक लेखक सम्मिलन	साहित्य अकादेमी सभागार, तृतीय तल
15 मार्च 2023	सायं 6.00 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम : साहित्य एवं अभिनय : पाठ से प्रस्तुति, जयंत कस्तुआर द्वारा	तिरुवल्लुवर सभागार
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	आओ कहानी बुनें (बच्चों के लिए कार्यक्रम)	मेघदूत मुक्ताकाशी सभागार-1
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	परिचर्चा : विदेशों में भारतीय साहित्य	वाल्मीकि सभागार
16 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : साहित्य और महिला सशक्तीकरण	वाल्मीकि सभागार
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	परिचर्चा : मातृभाषा का महत्व	व्यास सभागार
16 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति	व्यास सभागार
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	पूर्वोत्तरी (उत्तर-पूर्वी एवं पूर्वी लेखक सम्मिलन)	तिरुवल्लुवर सभागार
16 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	व्यक्ति एवं कृति : कैलाश सत्यार्थी, प्रख्यात समाज सुधारक एवं नोबेल पुरस्कार विजेता के साथ	तिरुवल्लुवर सभागार
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	राष्ट्रीय संगोष्ठी : महाकाव्यों की स्मृतियाँ, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन तथा राष्ट्र निर्माण (जारी...)	साहित्य अकादेमी सभागार, प्रथम तल

\*कार्यक्रमों में परिवर्तन संभव है।

### मीडिया सहयोगी

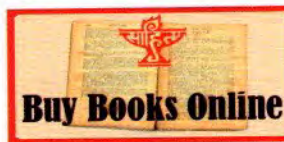


अन्य जानकारी के लिए देखें

<https://sahitya-akademi.gov.in>

### पुस्तक प्रदर्शनी

पूर्वाह्न 10.00 बजे से सायं 7.00 बजे



Link: <http://sahitya-akademi.org.in/>



### साहित्य अकादेमी

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001

दूरभाष : 91-11-23386626/27/28

ई-मेल : [secretary@sahitya-akademi.gov.in](mailto:secretary@sahitya-akademi.gov.in)



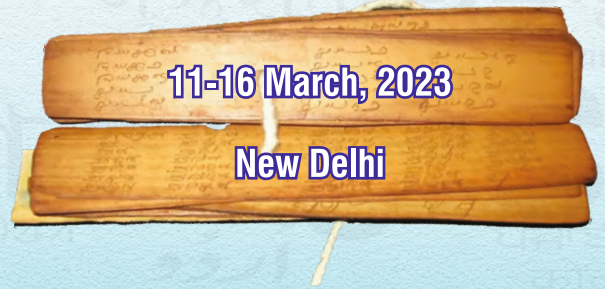


75  
Azadi Ka  
Amrit Mahotsav

G20  
भारत 2023 INDIA



Ministry of Culture  
Government of India



11-16 March, 2023

New Delhi

Daily News Bulletin

SATURDAY, 11 March, 2023

## FESTIVAL OF LETTERS – AN OVERVIEW

Sahitya Akademi organizes the Festival of Letters every year. This year, the Akademi holds its biggest Festival for the literature lovers of Delhi and NCR. The Festival includes about 40 programmes and the participation of more than 400 writers and scholars representing around 60 languages. The Festival of Letters will begin with the Exhibition of Sahitya Akademi's activities and achievements in 2022. Sri Arjun Ram Meghwal, Hon'ble Minister of State for Culture, Govt. of India, will inaugurate the Exhibition on 11 March at 10 a.m. Sahitya Akademi Award presentation ceremony, the chief event of the Festival, is scheduled to be held at the Kamani Auditorium at 5.30 p.m. Upamanyu Chatterjee, distinguished English writer and scholar, will be the Chief Guest at the ceremony. Justice Dipak Misra, former Chief Justice of India, will deliver the prestigious Samvatsar Lecture. Other events include seven Writers' Meets, 15 programmes of Literary Readings, and 13 Symposia, besides Narichetna, Asmita, Kathasandhi, Meet the Author and People and Books

programmes have also been scheduled. Spin-a-Tale, a programme especially for children and cultural programmes such as Braj ki Holi, Qawwali, Sahitya evam Abhinaya: Text to Performance will also be part of the Festival.

This year the Festival of Letters is centered on 'Indian Literature and Unity of Cultures'. Apart from the programmes like Purvottari, Tribal Writers' Meet, Yuva Sahiti, Spin-a-Tale, LGBTQ Writers' Meet and a National Seminar, this year there will be new additions such as All India Poets' Meet, focusing on the G20 theme - One Earth One Family One Future, besides panel discussion on Education and Creativity, Diplomacy and Literature and Literature and Women Empowerment.

The National Seminar will be on "Memories of Epics, Indian Independence Movement and Nation Building". Vishwanath Prasad Tiwari, eminent Hindi poet, critic, and Fellow of Sahitya Akademi, will inaugurate the Seminar, and Ashis Nandi, eminent social theorist and critic, will deliver the keynote

### Inauguration of the Akademi Exhibition

Rabindra Bhawan Lawns, 10.00 am

### Multilingual Poets' Meet

Vyas Sabhagar, 11.00 a.m.

### Interaction of Award Winners with Media

Valmiki Sabhagar, 11.30 a.m.

### Yuva Sahiti: The Rise of Young India

Valmiki Sabhagar, Rabindra Bhawan Lawns, 02.30 pm

### Asmita

Vyas Sabhagar, 2.30 pm.

### Purvottari: North-Eastern and Southern Writers' Meet

Tiruvalluvar Sabhagar, Rabindra Bhawan Lawn, 11.30 am

### Multilingual Short Story Reading

Tiruvalluvar Sabhagar, 2.30 pm.

### Presentation of Sahitya Akademi Award 2022,

Kamani Auditorium, 5.30 p.m.

Today's Programmes



## Festival of Letters 2023

11 -16 March 2023

Festival of Letters is an annual festival of Sahitya Akademi. Festival of Letters reflects the important achievements and main activities of Sahitya Akademi.

Festival of Letters include Exhibitions, National Seminar, Tribal Writers's Meet, Award Presentation, programmes for children, etc.

The first Festival of Letters was organized in 1985 with few writers and programmes.

During the journey of almost four decades, the Festival gradually, achieving resplendence, began to include more writers and variety of literary programmes. Today, the Festival of Letters includes the participation of more than 400 writers, poets, critics and publishers and more than 40 programmes. The Festival in 2023 is the 39<sup>th</sup> Festival of Letters.

Traveling for almost four decades, today it has reached more than 40 programs with the participation of more than 400 writers, poets, critics and publishers.

Festival of Letters 2023 is the 39th edition of this festival.





address. Highlighting the significance of mother tongues, there will be a panel discussion on Importance of Mother tongues. Also panel discussion on Epics of Tribal Communities of India, Sanskrit Language and Indian Culture, Art of Translation: Challenges in Cultural Context, World of Letters and My Art, Playwriting, Publication in Digital World, Cinema and Literature, Media, New Media and Literature. Some other significant programmes include talks by Kailash Satyarthi, eminent social reformer and Nobel laureate, and by Sunilkant Munjal, eminent entrepreneur and author, at People and Books programme, Abdus Samad, eminent Urdu fiction writer, will read out from his writings at Kathasandhi programme, and Ushakiran Khan, eminent Maithili and Hindi writer, will read out from her writings and interact with the audience at Meet the Author programme. Cultural programmes will include Braj ki



Holi, Qawwali, and Sahitya evam Abhinaya. A delegation of Kazhak writers will be present during the entire Festival. Indo-Kazak Writers' Meet and a panel discussion on Indian Literature Abroad will also be part of the Festival. There will be an exhibition of Sahitya Akademi publications and their sale on attractive discount during the week, daily from 10 am to 7 p.m.

Some of the distinguished litterateurs, publishers, actors, directors and the media personalities taking part in the Festival are Surjit Patar, Leeladhar Jagoori, Ashish Nandy, Sheen Kaaf Nizam, Abhiraj Rajendra Mishra, Y.D. Thongchi, Arjun Deo Charan, Mohan Agashe, Ketan Mehta, Dayaprakash Sinha, Sonal Mansingh, Jatin Das, Mrinal Miri, Atul Tiwari, Ved Pratap Vaidik, Alok Mehta and Asoke Ghosh, etc.

Some of the distinguished

## Inauguration of the Akademi Exhibition 2022

At 10 a.m. on Saturday, 11 March 2023 Sri Arjun Ram Meghwal, Hon'ble Minister of State for Culture, will inaugurate the Akademi Exhibition on the Rabindra Bhavan Lawns. The inauguration of the Akademi Exhibition formally marks the commencement of the Festival of Letters every year. The Akademi Exhibition showcases, through a series of photographs and write-ups, select activities and achievements and highlights of the Akademi in the previous calendar year, including the Awards and Fellowships presented, programmes organized, books published and the book exhibitions organized/participated.

Sri Meghwal formerly served as Chief Whip and Union Minister of

State, Ministry of Parliamentary Affairs and Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises. Before joining politics, he was an IAS Officer of the 1999 batch of Rajasthan cadre. He is the Chief Editor of saviours of religious, social and cultural organizations. An ardent admirer of literature and folk arts, his writings have also been highly acclaimed. His published works are *Jan Sewa Me Arjun Ram Meghwal*, *Ek Safar Hum Safar Ke Sath*, *Divya Path Damptya Ka*, *CAA: Bharatiya Mulyon wa paramparaonko Sashkat Karnewala Kanun*. He has actively been into many social and cultural activities such as helping the economically deprived students by providing scholarships, conducting group



marriage programme of the weaker section, conducting various happiness programmes to promote happiness index in the society, etc. He was awarded the Best Parliamentarian in 2013.





11-16 March, 2023; New Delhi

## Media Interaction with the Awardees

Sahitya Akademi will conduct Media Interaction with Sahitya Akademi Award 2022 winning writers at Valmiki Sabhagar, at 11.30 a.m. Humra Qureshi and Amarnath 'Amar' will moderate the programme. At the programme, the Award-winning writers will interact with literary connoisseurs and representatives of the Media.

## Multilingual Poets' Meet

The second programme on 11 March 2023 is "Multilingual Poets' Meet", which will commence at 11.00 am in Vyas Sabhagar, Rabindra Bhavan Lawns, and 12 poets representing different Indian languages will read out their poems at the programme. Jerry Pinto, eminent Indian English poet, novelist, short story writer and translator, as well as journalist and Sri Mrityunjay Singh, eminent Hindi poet, will chair the sessions respectively. Noted poets—Bhuchung D. Sonam (English), Mukul Kumar (English), Agnishekhar (Hindi), Jayashree Kambar (Mannada), B. Haridas (Malayalam), A. Krishnarao (Telugu), Prabal Basu (Bengali), Sarabjeet Garcha (English), Rakesh Sharma (Hindi), Misna Chanu (Manipuri) Jayakumar Mankuthirai (Tamil) and Mohd. Umar Farhat (Urdu) will participate in the Meet.

## Yuva Sahiti: The Rise of Young India

The third programme of the day, "Yuva Sahiti: The Rise of Young India", will commence at 2.30 pm. at Valmiki Sabhagar, Rabindra Bhvan Lawns. Sri Surjit Patar, distinguished Punjabi poet, will inaugurate the programme and the Presidential Address will be delivered by Chandrashekhar Kambar, eminent Kannada litterateur and former President of Sahitya Akademi. The first session of the programme will be chaired by Arjun Deo Charan, distinguished Rajashani poet, critic, playwright, theatre director and translator. Aditi Basuroy (Bengali), Nikita Parik (English), Bhargav Thakar (Gujarati), Sandeep Kumar Tiwari (Hindi), Prabin Kabi (Odia), Har Man

(Punjabi), Vinita Sharma (Rajasthani) and Anil Dyani (Telugu) will be reading their poetry in the programme.

## Asmita

The fourth programme of the day, "Asmita", is scheduled to be held in Vyas Sabhagar, Rabindra Bhavan Lawns, at 2.30 p.m., at which women writers—Alka Tyagi, Anamika 'Anu', Mahua Sen, Mugdha Sinha, Reeta Rani Nayak, Salma and Usha Akella, will read out from their writings, and K. Srilata will chair.

## Purvottari: North-Eastern and Southern Writers' Meet

The fifth programme of the day, "Purvottari: North-Eastern and Southern Writers' Meet", will be held at 11.30 am. At Tiruvalluvar Sabhagar, the first session of which will be chaired by Y.D. Thongchi and the second session by K.Jayakumar. Geetali Borah (Assamese), Jwishri Boro (Bodo), N. Ranjana Devi (Manipuri), Mamidi Harikrishna (Telugu), Jyotirekha Hazarika (Assamese), C. Naganna (Kannada), Anagha J. Kolath (Malayalam), Rita Thokcham (Manipuri), Maalan (Tamil) and V. Rama Manohara Rao (Telugu) will read out from their writing at the programme.

## Multilingual Short Story Reading

The sixth programme of the day is "Multilingual Short Story Reading" which will commence at 2.30 pm. in Tiruvalluvar Sabhagar, Rabindra Bhavan Lawns. Smt. Mamta Kalia, distinguished Hindi short story writer and editor, will chair, and Ramkumar Mukhopadhyay (Bengali), Shubha Sharma (English), Akhil Pratap (Hindi), Gaurishankar Raina (Kashmiri), Iti Samanta (Odia) and Vempalli Gangadhar (Telugu) will read out their short stories at the programme.

## Presentation of the Sahitya Akademi Award 2022

The last programme of the day - the Presentation of Sahitya Akademi Award 2022, will be held at Kamani Auditorium, Copernicus Marg, New Delhi, at 5.30 pm. The programme will commence with an Invocation followed by the Welcome Address by K. Sreenivasarao, Secretary, Sahitya Akademi, Presidential Address by President, Sahitya Akademi. The Citations will be read out and the Awards will be

presented to the Sahitya Akademi Award-winners programme in 24 Indian languages recognized by Sahitya Akaemi. The Chief Guest at the programme, Upamanyu Chatterjee, distinguished English writer and scholar, will deliver his address. Concluding remarks will be made by Vice President, Sahitya Akademi.





11-16 March, 2023; New Delhi

## Sahitya Akademi 2022 Award Winners

Assamese



**Manoj Kumar Goswami** is an eminent Assamese writer. He was born on 24 July 1962 in Nagaon, Assam.

*Bhool Satya* is a collection of short-stories, which adds a new dimension to the art of narrative. Excellent characterization, racy narrative technique and marvellous plot construction make the stories a unique read. A master storyteller, Goswami presents a vivid portrait of the life of the middle-class in Assam in this book.

Bengali



**Tapan Bandyopadhyay** is a distinguished Bengali writer, poet and translator. He was born on 18 June 1947 in Satkhira district of undivided Bengal.

*Birbal* is a historical novel based on the life of Birbal who was the friend, philosopher and guide of the Mughal emperor Akbar. The characterization of the novel is sharply distinguished from the funny character that readers come across in comic books and it changes the existing notion about Birbal that prevails in the history of Mughal period.

Bodo



**Rashmi Choudhury** is a noted Bodo poet and writer. She was born on 1 November 1974 in Alagjar (Katahbari), Baksa, Assam.

*Sansrini Modira* is a collection of poems in which the poet imagines a world free of hatred and suffering, a world that is governed by love and gratitude. The poet employs post-modern style of writing and superbly encapsulates strong undertones of women's rights.

Dogri



**Veena Gupta** is an eminent Dogri writer, linguist and playwright. She was born on 31 October 1950 in Jammu.

*Chhe Roopak* is a collection of outstanding plays that scholarly speak of the Dogri language, eminent writers in Dogri and significant Dogri cultural elements. The plays are readily relatable to any generation of readers and are the outcome of the writer's deep understanding of the contemporary Dogri cultural milieu.

English



**Anuradha Roy** is a distinguished writer in English. She was born on 13 July 1967 in Kolkata.

*All The Lives We Never Lived* is a compelling novel in which one story is told in the form of another. The novel immaculately establishes Roy's excellent command over style, and also her rare worldview. It reflects the inner world of the characters who lead fraught lives in a world plagued with uncertainties and dislocations.

Gujarati



**Gulammohammed Sheikh** is a distinguished writer, poet, painter and educationist in Gujarati. He was born on 16 February 1937 in Surendranagar, Saurashtra, Gujarat.

*Gher Jatan*, a collection of autobiographical essays, recounts with unforgettable intensity of a life lived in various parts of Gujarat. The essays are deeply rooted in the both aspects - painting and writing - of the writer's internal creativity.





11-16 March, 2023; New Delhi

Hindi



**Badri Narayan** is an eminent poet, journalist in Hindi and English. He was born on 5 October 1965 at Janaidih, Ara, Bihar.

*Tumadi Ke Shabd* is a collection of poems. The poems have a beautiful blend of folk, tradition, history and contemporaneity; because of which the language and rhythm of the poetry blossom exceptionally and deepen the shades of meaning. It is a phenomenal critique of the contemporary human civilization and conveys that poetry is a responsibility.

Kannada



**Mudnakudu Chinnaswamy** is a distinguished Kannada writer, poet, playwright and translator. He was born on 22 September 1954 at Mudnakudu, Chamarajanagar, Karnataka.

*Bahutvada Bhaarata Mattu Bouddha Taatvikate*, a collection of essays, makes a significant contribution to rational literature in Kannada. The book evokes the dream of equality, casteless and inclusive society, and proves to be a highly significant thought on the contemporary social structure.

Kashmiri



**Farooq Fayaz** is an eminent Kashmiri and English writer, journalist, historian and scholar. He was born on 16 April 1954 in Srinagar, Jammu and Kashmir.

*Zael Dab*, a significant critical treatise, offers perceptive evaluation of major literary contribution of distinguished Kashmiri writers. It offers genuinely fresh insights into the changing scenario of Kashmiri literature over a century. The book encapsulates the contents and other aspects of literary aesthetics from the perspective of diverse critical theories.

Konkani



**Maya Anil Kharangate** is an eminent Konkani writer and translator. She was born on 20 June 1956 at Assoldem, Goa.

*Amrutvel* is a novel set in pre-liberation Goa, and depicts a social world dominated by caste distinctions and gender discrimination. It movingly dramatizes the endless yearning of a woman for better times. The novel deftly exploits the prospects of Konkani language and captures its deep nuances.

Maithili



**Ajit Azad** is an eminent Maithili poet, writer, journalist and artist. He was born on 6 June 1969 at Hatni, Madhubani, Bihar.

*Pen-Drive Me Prithvi* comprises 185 poems that illuminate diverse aspects of human life. Rooted deeply in Maithili culture, the poems embrace an expansive world of experiences. The poems establish as to how the poet's worldview beautifully engulfs modern ideas through the fabric of poetry.

Malayalam



**M. Thomas Mathew** is an eminent Malayalam writer, critic and translator. He was born on 27 September 1940 in Pathanamthitta, Kerala.

*Ashaante Seethayanam* undertakes an in-depth analysis of the Malayalam poet Kumaran Asan's classic poetry Chinthavishtayaya Sita. The book offers a refreshingly new interpretation of Sita's character and explores her inner life. It adopts a fascinatingly innovative approach to the mythological literature.





11-16 March, 2023; New Delhi

Manipuri



**Koijam Shantibala Devi** is a distinguished Manipuri writer and poet. She was born on 2 March 1960 in Khurai Lamlong Bazar, Imphal, Manipur.

*Leironnung*, a collection of poems, earnestly meditates on Manipuri identity. It explores into the world of women. Social issues of Manipuri women have been beautifully dealt with and addressed with a deep and conscious effort in this book.

Nepali



**K.B. Nepali** is a noted writer, playwright, poet and translator in Nepali. He was born on 16 November 1939 in Digboi, Assam.

*Saino* is a collection of four plays. The plays have an excellent blend of mythology, history and Indian culture emphasizing patriotism; and also thoughtfully talk of socio-cultural phenomena maintaining humanity at their core. The plays represent the uniqueness of the all-inclusive worldview of the playwright.

Marathi



**Pravin Dashrath Bandekar** is a noted Marathi writer, poet, and critic. He was born on 20 March 1966 at Vengurla, Sindhudurg, Maharashtra.

*Ujavya Sondechya Bahulya*, an experimental novel, dramatizes a contemporary cultural crisis. The nostalgia and loss of identity of intellectuals living in an imaginary world is brilliantly portrayed in the novel. Occasional and apt use of Konkani and Goan dialects enrich the narrative.

Odia



**Gayatribala Panda** is a noted Odia poet, fiction writer, critic, editor and journalist. She was born on 17 April 1977 in Jagatsinghpur, Odisha.

*Dayanadi*, a collection of poems, focuses on the historic Kalinga war fought between the Maurya empire under the emperor Ashoka and the state of Kalinga. The poems have unconventional blend of intensity and deep sensibility. In this book, 'Daya' is not just a river; it is the energy that flows through one's veins and keeps human values alive.

Punjabi



**Sukhjot** is an eminent Punjabi writer and playwright. He was born on 4 January 1961 in Dhurkot Ransih, Moga, Punjab.

*Main Aynghosh Nahi* is a collection of short stories. The stories explore into the inner lives of the characters as they confront moral dilemmas. They celebrate human resilience in the face of extreme adversity. The apt fusion of myth and reality in retelling the ordinary tales of the life extraordinarily makes it a remarkable fiction.

Sanskrit



**Janardan Prasad Pandey 'Mani'** is an eminent Sanskrit scholar and author. He was born on 2 October 1962 at Jaunpur, Uttar Pradesh.

*Deepmanikyam*, comprising ten cantos, narrates in simple diction the story of the river Saraswati. The writer's masterly diction and rhythm, take the work to the newer heights. It vividly dramatizes social dilemmas and subjects' follies to sharp ridicule.





Rajasthani



**Kamal Ranga** is a distinguished Rajasthani poet, playwright, writer, and translator. He was born on 5 July 1956 in Bikaner, Rajasthan.

*Alekhun Amba* is a play that undertakes a fresh interpretation of the female character Amba in the Mahabharata. The complex structure of the play and its dialogues reflect contemporary concerns. It unfolds to the reader the tragedy of the protagonist Amba in manifolds on the backdrop of dramatization of the mythological contents.

Santali



**Jagannath Soren** (Kajli Soren) is a noted Santali writer and poet. He was born on 19 August 1950 at Madhupur, Khatra (Bankura), West Bengal.

*Sabarnaka Balire Sanan' Panjay* is a collection of poems, memorably depicts the joys and sorrows of human beings and aspects of their social world. Refreshing diction and imagery that is deeply rooted in the poet's native world enriches the content of the poems; and the resonant symbols deepen the shades of meaning achieving rare depth and vitality.

Sindhi



**Kanhaiyalal Lekhwani** is a distinguished Sindhi writer and linguist. He was born on 1 April 1942 in Hyderabad, Sindh (now in Pakistan).

*Sindhi Sahit Jo Mukhtasar Itihas*, a brief history of Sindhi Literature, provides a detailed account of the several aspects of the development of Sindhi language and literature from the origin and development to 2015. Based on the formidable research and irrefutable observations, the scholarly work makes a valuable contribution to literary historiography.

Tamil



**M. Rajendran** is an eminent writer in Tamil and English. He was born on 6 May 1959 in Vadagarai, Madurai, Tamil Nadu.

*Kaala Paani*, the novel celebrates the unprecedented courage and devotion of the 73 freedom fighters, who fought against the British rule and were deported to Penang and Sumatra. The novel sings proudly of human values and the yearning for freedom. The novel recreates a glorious event in the history of the Indian freedom struggle which has not received the attention it deserved.

Telugu



**Madhuranthakam Narendra** is an eminent writer in Telugu and English. He was born on 16 July 1957 at Ramanaiahgaripalle, Tirupati District, Andhra Pradesh.

*Manodharmaparagam* is a novel that vividly depicts the lives of two generations of Devadasis. The writer's genuinely humane insights into social history, and art of encapsulating many a social issue make the novel remarkable. The innovative narrative technique deftly employed in the novel enhances its appeal and significance.

Urdu



**Anis Ashfaq** is a distinguished Urdu poet, writer, critic and translator. He was born on 30 June 1950 in Lucknow, Uttar Pradesh.

*Khwab Saraab* is an excellent metafiction based on the Urdu novel *Umrao Jaan Ada* by Mirza Hadi Ruswa. It is a highly structured novel distinguished by its language, elegant style, and witty dialogues. The outstanding plot and vivid portrayal of Lucknow makes the novel an excellent read.



## Schedule of Events

Date	Time	Event	Venue
12 March 2023	10.30 a.m.	Writers' Meet	Valmiki Sabhagar
12 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Diplomacy and Literature	Valmiki Sabhagar
12 March 2023	4.30 p.m.	People and Books with Sunil Kant Munjal, <i>Renowned Entrepreneur &amp; Writer</i>	Valmiki Sabhagar
12 March 2023	6.00 p.m.	Samvatsar Lecture by Justice Dipak Misra, <i>Former Chief Justice of India</i>	Valmiki Sabhagar
12 March 2023	10.30 a.m.	Yuva Sahiti : The Rise of Young India (Contd...)	Vyas Sabhagar
12 March 2023	10.30 a.m.	Purvottari (North-Eastern and Northern Writers' Meet)	Tiruvalluvar Sabhagar
13 March 2023	10.30 a.m.	Face to Face (Award Winners in Conversation with Eminent Writers/Scholars)	Valmiki Sabhagar
13 March 2023	5.00 p.m.	Presentation of Bhasha Samman	Valmiki Sabhagar
13 March 2023	10.30 a.m.	Panel Discussion on Art of Translation : Challenges in Cultural Context	Vyas Sabhagar
13 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on World of Letters and My Art	Vyas Sabhagar
13 March 2023	11.00 a.m.	Panel Discussion on Education and Creativity	Tiruvalluvar Sabhagar
13 March 2023	2.30 p.m.	Tribal Writers' Meet	Tiruvalluvar Sabhagar
13 March 2023	6.00 p.m.	Cultural Event : Braj Ki Holi by Shyama Braj Lok Kala Manch	Meghdoot Open Air Theatre - 1
14 March 2023	10.30 a.m.	All India Poets' Meet : One Earth • One Family • One Future •	Valmiki Sabhagar
14 March 2023	10.30 a.m.	Panel Discussion on Playwriting	Vyas Sabhagar
14 March 2023	2.30 p.m.	LGBTQ Writers' Meet	Vyas Sabhagar
14 March 2023	10.00 a.m.	Tribal Writers' Meet (Contd...)	Tiruvalluvar Sabhagar
14 March 2023	2.30 p.m.	Nari Chetna	Tiruvalluvar Sabhagar
14 March 2023	5.00 p.m.	Meet the Author with Usha Kiran Khan, <i>Eminent Maithili &amp; Hindi Writer</i>	Tiruvalluvar Sabhagar
14 March 2023	11.00 a.m.	National Seminar on Memories of Epics, Indian Independence Movement & Nation Building	Sahitya Akademi Auditorium, 1st Floor
14 March 2023	6.00 p.m.	Cultural Event : Qawwali by Nizami Brothers	Meghdoot Open Air Theatre - 1
15 March 2023	10.30 a.m.	Panel Discussion on Media, New Media and Literature	Valmiki Sabhagar
15 March 2023	2.30 p.m.	Purvottari (North-Eastern and Western Writers' Meet)	Valmiki Sabhagar
15 March 2023	5.00 p.m.	Kathasandhi with Abdus Samad, <i>Eminent Urdu Fiction Writer</i>	Valmiki Sabhagar
15 March 2023	10.00 a.m.	LGBTQ Writers' Meet (Contd...)	Vyas Sabhagar
15 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Publishing in Digital World	Vyas Sabhagar
15 March 2023	11.00 a.m.	Panel Discussion on Cinema and Literature	Tiruvalluvar Sabhagar
15 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Epics of Tribal Communities in India	Tiruvalluvar Sabhagar
15 March 2023	10.00 a.m.	National Seminar on Memories of Epics, Indian Independence Movement & Nation Building (Contd...)	Sahitya Akademi Auditorium, 1st Floor
15 March 2023	5.00 p.m.	Indo-Kazakh Writers' Meet	Sahitya Akademi Conference Hall, 3rd Floor
15 March 2023	6.00 p.m.	Cultural Event : Sahitya Evam Abhinaya : Text to Performance by Jayant Kastuar	Tiruvalluvar Sabhagar
16 March 2023	10.00 a.m.	Spin-a-Tale (Programme for Children)	Meghdoot Open Air Theatre - 1
16 March 2023	11.00 a.m.	Panel Discussion on Indian Literature Abroad	Valmiki Sabhagar
16 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Literature and Women Empowerment	Valmiki Sabhagar
16 March 2023	11.00 a.m.	Panel Discussion on Importance of Mother Tongues	Vyas Sabhagar
16 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Sanskrit Language and Indian Culture	Vyas Sabhagar
16 March 2023	10.30 a.m.	Purvottari (North-Eastern and Eastern Writers' Meet)	Tiruvalluvar Sabhagar
16 March 2023	2.30 p.m.	People and Books with Kailash Satyarthi, <i>Renowned Social Reformer &amp; Nobel Laureate</i>	Tiruvalluvar Sabhagar
16 March 2023	10.00 a.m.	National Seminar on Memories of Epics, Indian Independence Movement & Nation Building (Contd...)	Sahitya Akademi Auditorium, 1st Floor

\*Schedule of events is subject to change.

## Media Partner



for further details visit :  
<https://sahitya-akademi.gov.in>

### Book Exhibition

10:00 am to 7:00 pm (Daily)



Link:  
<http://sahitya-akademi.org.in/>



## SAHITYA AKADEMI

Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001

Telephone: 91-11-23386626/27/28

E-mail: [secretary@sahitya-akademi.gov.in](mailto:secretary@sahitya-akademi.gov.in)

